समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• दिसम्बर २०२१ • वर्ष ७२ • अंक १२
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२५ दिसम्बर २०२१, कोलकाता: अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८६वें स्थापना दिवस समारोह में राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष एवं भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री आदर्श कुमार गोयल को सम्मेलन के सर्वोच्च सम्मान 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-२०२०' से विभूषित किया गया। चित्र में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया न्यायमूर्ति श्री गोयल को उक्त सम्मान-संबंधी मानपत्र प्रदान करते हुए; साथ में परिलक्षित हैं (बायें से) सर्वश्री संजय हरलालका, बसंत मित्तल, पवन गोयनका, प्रह्लाद राय अगरवाला, विजय लोहिया, श्रीमती शारदा लाखोटिया, संतोष सराफ एवं भानीराम सुरेका।

इस अंक में :

★ **अध्यक्षीय :** संगठित समाज सशक्त आवाज

★ **सम्पादकीय :** स्वभाव ही व्यक्ति का वास्तविक परिचय

★ **रपट :** स्थापना दिवस समारोह, राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक, स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक, प्रादेशिक समाचार: बिहार, झारखंड, उत्कल एवं छत्तीसगढ़

★ सम्मेलन में नये सदस्यों का स्वागत

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्निर्वाचित अध्यक्ष

श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ दिसम्बर २०२१ ◆ वर्ष ७२ ◆ अंक १२
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया**	४
स्वभाव ही व्यक्ति का वास्तविक परिचय	
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**	५-६
सम्मेलन का स्थापना दिवस – संगठित समाज सशक्त आवाज़	
● **रपट –**	
स्थापना दिवस समारोह	७-१०
स्थायी समिति की बैठक	११
स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक	१२
● प्रादेशिक समाचार	१३-१९
● **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**	२०
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	२०-२२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

मुख्य मंत्री
राजस्थान

मुम./सन्देश/ओएसडीएफ/2021
जयपुर, 13 दिसम्बर, 2021

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि 25–26 दिसम्बर, 2021 को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, कोलकाता के 87वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा रहा है।

प्रवासी राजस्थानियों के देशव्यापी संगठन अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन का स्थापना दिवस समारोह अपने आप में महत्वपूर्ण है। इससे इस संगठन की दीर्घकालीन सेवाओं और उपलब्धियों को व्यापक बनाने का मार्ग प्रशस्त होता है। यह शुभ है कि 25 दिसम्बर को "राजस्थान में औद्योगिक निवेश की संभावनाएं" विषय पर गोष्ठी और 7 दिवसीय राजस्थान संस्कृति मेला का आयोजन भी किया जा रहा है।

आशा है संगठन के कार्यक्रम प्रदेश के औद्योगिक विकास, समृद्ध संस्कृति, कलाओं, लोक विरासत और विशिष्टताओं को व्यापक बनाने की दृष्टि से सार्थक सिद्ध होंगे।

इस अवसर पर मुझे याद किया। इसके लिए धन्यवाद। मैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और सहयोगियों को 87वें स्थापना दिवस की बधाई देते हुए इसके सभी कार्यक्रमों की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(अशोक गहलोत)

श्री सीताराम शर्मा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
चेयरमैन, सलाहकार समिति,
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन,
4 बी डकबैक हाउस, चौथा तल्ला,
41 शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता–700017

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

स्वभाव ही व्यक्ति का वास्तविक परिचय

व्यक्ति का वास्तविक परिचय उसके स्वभाव एवं व्यवहार से समझा जा सकता है। व्यक्ति के जीवन में सर्वाधिक महत्व उसके चरित्र का होता है। चरित्र मूलतः उसके स्वभाव पर निर्भर करता है। जिन विचारों, मन्तव्यों, संस्कारों में हम निरन्तर निवास करते हैं, वे ही क्रमशः हमारे स्वभाव बनते हैं। मानस शास्त्र के अनुसार विचार एक जीवित बल है। विचारों का दृढ़ चिंतन उनमें विश्वास, श्रद्धा के कारण वे विचार स्वभाव बन जाते हैं। कहते हैं, जिसका जैसा स्वभाव, सपने भी उसे वैसे ही आते हैं। स्वभाव के अनुरूप ही हमारा व्यवहार बन जाता है। स्वाभाव के विषय में कहा गया है –

स्वभावो न उपदेशेन शक्यते कर्त्तुमन्यथा
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम्।

यानि उपदेश देकर स्वभाव नही बदला जा सकता, क्योंकि यह जन्मजात, प्रकृति का तय किया हुआ होता है।

यः स्वभावो हि यस्यास्ति स नित्यं दुरतिक्रमः।
श्वा यदि क्रियते राजा स किं नाश्नात्युपानहम्।।

जिसका जैसा स्वभाव होता है वह कभी टाला नहीं जा सकता। अगर कुत्ता राजा बन जाय तो क्या वह जूता नहीं खायेगा? जिसकी जैसी स्वभावजनित प्रकृति होती है वह छूटती नहीं। हर वस्तु या व्यक्ति का अपना मूल स्वभाव होता है। अग्नि का स्वभाव है जलाना। जल का स्वभाव शीतलता प्रदान करना। सर्प का स्वभाव है विष उगलना। चंदन का स्वभाव है सुगंध। रहीम जी ने इस विषय में बहुत ही सुंदर कहा है।

जो रहीम उत्तम प्रकृति का करि सकत कुसंग,
चंदन विष व्यापे नहीं लिपटे रहत भुजंग।

जिसकी अच्छी प्रकृति होगी, कुसंग उसका बिगाड़ नहीं सकता। चंदन के वृक्ष पर विषधर सांप के रहते हुए भी चंदन अपनी सुगंध नही छोड़ता।

परमात्मा ने मनुष्य का मूल स्वभाव दिया है – दया, करुणा, क्षमा, शील, आपसी प्रेम-भाईचारे का। पृथ्वी पर करोड़ो किस्म के जीव हैं। इनमें से मनुष्य ही एकमात्र जीव है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का स्वभाव भिन्न-भिन्न होता है।

वाल्मीकी रामायण के युद्धकांड (३६.११) में रावण ने कहा है – मैं बीच में से दो टुकड़े हो जाऊँगा, पर किसी के सामने झुकूँगा नहीं। यह मेरा सहज दोष है और स्वभाव बदलना अत्यंत कठिन है। चाणक्य ने भी कहा है – **स्वभावो दुरतिक्रम** – यानि स्वभाव बदलना कठिन है। उसी कारण दुर्योधन को जूझना पड़ा एवं उसने स्वीकार किया –

जानामि धर्म न च मे प्रवृत्ति
जानाम्य धर्म न च मे निवृत्ति

अर्थात मैं यह जानता हूँ कि सही क्या है पर मैं अपने जीवन में इसका पालन नही कर पाता। उचित-अनुचित सब समझता हूँ, पर उचित की प्रकृति नहीं है, अनुचित से निवृत्ति नहीं हो पाती।

आज के सार्वजनिक जीवन की यही विडम्वना है। मनुष्य ही एकमात्र जीव है, जिसके 'जैसा है' और 'जैसा होना चाहिये' में भेद पाया जाता है।

प्रकृति अपना स्वभाव अपने ऋतुओं के माध्यम से व्यक्त करती है। इसलिये मनुष्य को जब जैसी आवश्यकता हो, उसके अनुसार ढलना पड़ता है। भिन्न ऋतुओं में हम अपना खान-पान, वेशभूषा ऋतु के अनुकुल कर लेते हैं। उसी प्रकार समाज में सभी व्यक्तियो के साथ उसके स्वभाव के अनुसार, अपने स्वभाव में परिवर्तन किये बिना, व्यवहार करना चाहिए। अन्यथा आपसी संबंधों में तनाव, वैमनस्य, असहयोग, असहिष्णुता का प्रादुर्भाव हो सकता है। हवा के रुख को हम बदल नहीं सकते, किन्तु हवा के रुख के अनुसार अपने के पास को समायोजित कर सकते हैं।

अतः मनुष्य को अपने स्वभाव के प्रति सचेत रहना चाहिये। आवश्यकता के अनुसार अपनी आदतों में परिवर्तन कर अपनी सोच को परिष्कृत करते रहना है। जो व्यक्ति भीतर से तृप्त, संतुष्ट और आनंदित है उसकी शांति को कोई भंग नहीं कर सकता। कुशल व्यवहार आपके जीवन का आइना है, इसका आप जितना व्यवहार करेंगे, आपकी चमक उतनी ही बढ़ेगी। गीता (१७.३) में कहा गया है –

सत्वानुरूपा सर्वस्य श्रद्धा भवति भारत।
श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः।।

जो मनुष्य जैसी श्रद्धा वाला होता है, वैसी ही उसकी निष्ठा होगी एवं उसके अनुसार ही उसकी गति होगी। इस विषय में प्रत्येक व्यक्ति को सचेत रहना चाहिए।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

सम्मेलन का स्थापना दिवस – संगठित समाज सशक्त आवाज़

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही-सुधी बन्धुओं,

पौष की इस ठिठुरती ठंड में आप सभी बन्धुओं का पूरी गर्मजोशी से अभिनन्दन! सम्मेलन के लिए दिसम्बर माह बहुत महत्वपूर्ण है। जब कोई विपदा आती है तो समाज अपने संगठन की ओर आशा भरी नजरों से विश्वास के साथ देखता है। ऐसी विपदा की एक घड़ी १९३५ में आन पड़ी थी। एक श्वेतपत्र प्रकाशित करके ब्रिटिश सरकार ने देशी रियासतों के नागरिकों को ब्रिटिश सरकार की नागरिकता के अधिकारों से वंचित करने की बात कही थी। फलतः प्रवासी मारवाड़ियों में खलबली मचनी स्वाभाविक थी। नागरिक अधिकार नहीं रहने से आदमी को असहजता तो लगती है – खासकर अपने ही देश में विदेशी होने का भय, अधिकारविहीन। ऐसे समय में इस श्वेतपत्र का विरोध करने हेतु संगठन की याद आई और हमारे स्वनामधन्य बुजुर्गों ने २५ दिसम्बर १९३५ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की।

सम्मेलन के प्राण-पुरुष स्व. ईश्वरदास जालान ने उस वक्त अपने विचार व्यक्त किए कि यह श्वेतपत्र अगर वापस नहीं होता है तो विभिन्न क्षेत्रों में बसे मारवाड़ी भाइयों को विदेशी माना जा सकता है जो हम किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें संगठित होकर विरोध करना होगा। स्वर्गीय ईश्वरदास जालान, स्वर्गीय काली प्रसाद खेतान, स्वर्गीय बद्रीदास गोयनका आदि ने इस कार्य का बीड़ा उठाया। समाज के विशिष्ट व्यक्तियों यथा स्वर्गीय घनश्याम दास बिड़ला, स्वर्गीय जमनालाल बजाज आदि से सम्पर्क साधा गया और राजनीतिक प्रभाव से अन्ततः देशी रियासतों के वासियों को नागरिक अधिकार पुनः प्राप्त हुए। इस जटिल कार्य के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने से सम्मेलन की समाज में अच्छी छवि बनी और संगठन की महता का भी लोगों को भान हुआ। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन को जीवन्त रखने का लोगों ने पुरजोर समर्थन किया।

अनुचित कार्यों का विरोध करने एवं समाज को संगठित करने हेतु सम्मेलन एक आधार बना। अब उसे सही आकार देने का कार्य प्रारम्भ हुआ। नागरिकता के समान अधिकार प्राप्त करने के लिए सम्मेलन की स्थापना का उद्देश्य समाप्त हो गया पर इसको जीवन्त रखने की महत्ता समझ में आ गई। सम्मेलन के उद्देश्यों में समाज-सुधार, सेवा एवं सहायता, शिक्षा, चिकित्सा व अन्य सामाजिक एवं न्यायिक समस्याओं के निराकरण आदि कार्यों को समाहित किया गया। धीरे-धीरे लोगों में राजनीतिक चेतना भी आने लगी। सम्मेलन द्वारा समाज सेवा, सहायता के साथ-साथ समाज सुधार के कार्य किए जाने लगे। पर्दाप्रथा का पुरजोर विरोध हुआ जो १९६० से १९७० के दशक तक पूर्ण रूप से समाप्त हो गई। विधवा विवाह पहले निषेध था, विधवा विवाह कराने के लिए काफी प्रयास किए गये और समाज के नेतृत्वकर्ताओं ने खुद इस मामले में अपने बच्चों का विधवा विवाह करके पहल की। आज विधवा विवाह का कोई विरोध नहीं है। संक्षेप में हम कह सकते हैं कि हमारे स्वनामधन्य बुजुर्गों ने जिन उद्देश्यों को लेकर सम्मेलन की स्थापना की उनमें हमें आशातीत सफलता मिली। समय-समय पर व्याप्त बुराईयों के उन्मूलन में सम्मेलन की महती भूमिका रही है।

सम्मेलन की स्थापना में था जो विश्वास।
उसको पूरा कर रहा नौ दशकों का विकास।।
नौ दशकों का विकास कि जिसमें साथ सभी का।
है समाज आभारी उन सभी सुधी जनों का।।

ऐसा कोई समाज नहीं है जिसकी कोई समस्या न हो और हम भी समस्याओं से अछूते नहीं है, पर साथ ही साथ ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका निराकरण नहीं हो। हमने समय-काल के अनुसार कई बुराईयों के उन्मूलन में सफलता पाई है, लेकिन कई नई विसंगतियाँ आज नए रूप में सामने आ रही हैं। संयुक्त परिवार की अवधारणा समाप्त हो रही है। वैवाहिक सम्बन्धों में टकराव, बुजुर्गों के प्रति घटता सम्मान, सामाजिक समारोहों में ड्रेस कोड एवं मद्यपान का बढ़ता चलन, शादी के पहले फोटोशूट कार्यक्रम आदि हम सबके लिए चिन्ता एवं चिन्तन का विषय हैं। दिखावा और पाखण्ड बहुत समय से चला आ रहा है। हमें अपनी गौरवशाली विरासत को बढ़ाना एवं कुरीतियों का त्याग करना है, समय के अनुसार आगे बढ़ना है और साथ ही साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों को बनाये रखना है। हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना है। **संस्कारों की नाव पर, समय की धार पर** – हमें इस आधार पर आचरण करना है।

पहले अपना समाज मूलतः व्यवसाय एवं उद्योगों तक सीमित रहा है और उसमें सफलता का परचम भी लहराया है। हमें प्रसन्नता है कि आज समाज अन्य विद्यार्जन क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहा है। समाज की आज हर सम्मानजनक क्षेत्र में अच्छी उपस्थिति दर्ज हो रही है। सीए, डाक्टर, इंजिनियर, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, आचार्य एवं शिक्षक – सभी का समाज में समावेश है। युवकों ने शिक्षा के हर क्षेत्र में अपनी पताका फहराई है। अब समाज में नारियाँ साक्षर ही नहीं, अन्य लोगों को साक्षर कर रही हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति तक अपने समाज की महिलाएँ हैं, लेखन के क्षेत्र में भी पीछे नहीं हैं। बाल विवाह अब सपने जैसी बात हो गई है। अब तो विवाह की उम्र ३० के पार जा रही है। यह भी उचित नहीं, इस पर गम्भीरता से चिन्तन करने की आवश्यकता है।

आज समाज में तलाक की बढ़ती प्रवृति चिन्ताजनक है।

हमारे संस्कारों में ऐसी कोई सोच नहीं थी। हमारे यहाँ विवाह एक सात्विक, शाश्वत संस्कार माना जाता है जिसे जीवन भर निभाना है। कोई विशेष लाचारी हो तो उसे अपवादस्वरूप लेना चाहिए। शाश्वत सम्बन्धों में अहंकार नहीं होना चाहिए। इसी प्रकार बुजुर्गों के प्रति घटता सम्मान भी चिन्तनीय है। इस वजह से वृद्धाश्रमों की आवश्यकता पड़ने लगी है जो नहीं होनी चाहिए। विवाह एवं अन्य समारोहों में मदिरापान, सड़कों पर महिलाओं एवं पुरुषों का नाचना, आतिशबाजी, शादी से पहले फोटोशूट, ड्रेसकोड, अवांछित आचरण, दिखावा एवं पाखंड आदि अब बढ़ रहें है। इनको नियंत्रित करना आवश्यक है। हमें इसका सदा ध्यान रखना चाहिए कि समाज की छवि धूमिल न हो। सम्मेलन अपनी ओर से समाज को बराबर सचेत कर रहा है। अगर हमने अब भी समझदारी नहीं दिखाई तो हमें समझ लेना चाहिए कि हमारा भविष्य सुरक्षित नहीं है।

सम्मेलन का ध्येय वाक्य है – **"म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति"**। देशवासियों की प्रगति में ही देश की प्रगति निहित है। अगर हम अपने समाज की उन्नति में लगे हुए हैं तो वह राष्ट्र की ही प्रगति है। जिस देश के निवासी गरीब हैं, वह देश गरीब ही कहा जाएगा और जिस देश के निवासी खुशहाल है, वह देश खुशहाल। जो व्यक्ति जिस क्षेत्र में जिस काम में लगा है, उसको यदि पूरी मेहनत, निष्ठा, लगन एवं ईमानदारी से करता है तो वह राष्ट्र की ही सेवा कर रहा है।

पिछले सत्र में संगठन के सुदृढ़ीकरण पर काफी काम हुआ है, हमें इसे आगे भी जारी रखना है। "संगठित समाज सशक्त आवाज" – संगठन में शक्ति होगी तो हमें कोई भी अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करेगा। हमें प्रयास करना होगा कि हर प्रांत में अपनी शाखा हो तथा हर परिवार से सम्मेलन का ताल्लुक हो। **आने वाले नये वर्ष में आप सभी के सुख, समृद्धि, प्रगति एवं अच्छे स्वास्थ्य की मंगलकामना करता हूँ! नववर्ष राष्ट्र एवं समाज के लिए शुभ हो!**

जय राष्ट्र, जय समाज!

प्रादेशिक समाचार : छत्तीसगढ़

गत २० दिसम्बर २०२१ को छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से चौबे कॉलोनी, रायपुर स्थित मायाराम सुरजन प्राथमिक विद्यालय के कक्षा एक से कक्षा पाँच तक के बच्चों को स्वेटर वितरित किया गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का स्थापना दिवस समारोह

सेवा और समर्पण है मारवाड़ी समाज की परम्परा : आदर्श गोयल

'अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन पिछले ८६ वर्षों से समाज सुधार और सेवा के क्षेत्र में लगातार काम करते हुए समाज की महती सेवा कर रहा है। कोरोना–राहत के लिए भी सम्मेलन ने पूरे देश में कार्य किया है। नाम, पद, धन या किसी संसाधन का महत्व तभी है जब उसका आम जन के कल्याण में सदुपयोग हो।' ये विचार राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष एवं सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश **न्यायमूर्ति श्री आदर्श कुमार गोयल** ने गत २५ दिसम्बर २०२१ को सम्मेलन के ८७वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। समारोह शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित कला मंदिर सभागार में आयोजित किया गया।

न्यायमूर्ति गोयल ने स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मेलन से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। सम्मेलन की जनकल्यानकारी प्रकल्पों हेतु सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि **सम्मेलन एक संस्था–मात्र नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो समाज के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से सेवारत है और यही मारवाड़ियों की परम्परा भी है। उन्होंने कहा कि सदियों की गुलामी के दौरान हमारी सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने के अनेक प्रयास किए गए किन्तु 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी'।**

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि समाज में व्याप्त बुराइयों के उन्मूलन एवं मानवीय-सामाजिक मूल्यों के संरक्षण में सम्मेलन की महती भूमिका रही है। उन्होंने इस अवसर पर सम्मेलन के संस्थापकों एवं तदुपरांत इसे सींचित, संरक्षित करनेवाले मनीषियों का नमन करते हुए कहा कि ऐसा कोई समाज नहीं है जिसकी कोई समस्या न हो और ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका समाधान न हो। आवश्यकता है समाज के सभी तबकों, मातृशक्ति, युवाशक्ति को साथ लेकर, कंधे से कंधा मिलाकर काम करने की। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि लोग अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे में सांस्कृतिक पुनर्जागरण आज समय की माँग है। हमें रूढ़िवादी परम्पराओं और कुरीतियों का त्याग करना है। समय के अनुसार आगे बढ़ना है, पर साथ ही अपने सामाजिक मूल्यों, अपने जड़ों से जुड़े रहना भी आवश्यक है। सम्मेलन के सेवाकार्यों और कोरोना–राहत के विषय में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज केन्द्रीय और राज्य सरकारें कई योजनाएँ चला रही हैं और हमें इनका लाभ उठाने में संसाधनहीन समाजबंधुओं की सहायता करनी चाहिए।

समारोह में न्यायमूर्ति श्री आदर्श कुमार गोयल को विधिक/पर्यावरण के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान तथा राष्ट्र एवं समाज की उत्कृष्ट सेवा हेतु अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सर्वोच्च सम्मान 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान' से विभूषित किया गया।

सर्वप्रथम न्यायमूर्ति श्री गोयल ने सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं अतिथिओं के साथ महागणेश के समक्ष दीप-प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह के स्वागताध्यक्ष एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने सबका स्वागत

दीप प्रज्वलन

किया और सम्मेलन के कार्यकलापों में सक्रिय सहयोग का आह्वान किया।

समारोह की सम्मानित अतिथि एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा **श्रीमती शारदा लाखोटिया** ने अपने वक्तव्य में कहा कि साथ आना और साथ रहकर समाज की सेवा करना एक गौरवपूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा कि परम्पराओं में समयानुसार परिवर्तन आते रहते हैं किन्तु हमें ध्यान रखना चाहिए कि ये परिवर्तन सकारात्मक हों।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने अपने सम्बोधन में इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि आज मारवाड़ी युवक–युवतियाँ अपने परम्परागत उद्योग–व्यापार के क्षेत्र के अतिरिक्त सी.ए., डॉक्टर, वकील, प्रशासनिक सेवाओं, कला–साहित्य, खेल आदि विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के परचम लहरा रहे हैं।

समारोह में ८८ वर्ष की आयु में ह्वील चेयर पर पधारे वरिष्ठ सदस्य **श्री द्वारिका प्रसाद गनेरीवाल** एवं रवड़ बोर्ड के चेयरमैन **श्री सावर धनानिया** को भी सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका** ने धन्यवाद–ज्ञापन किया तथा पदाधिकारियों **सर्वश्री गोपाल अग्रवाल, सुदेश अग्रवाल, बसंत कुमार मित्तल, दामोदर बिदावतका, नन्द किशोर अग्रवाल, लक्ष्मीपत भूतोड़िया, दिनेश जैन, कैलाशपति तोदी, पवन जालान, ओम प्रकाश अग्रवाल, सज्जन शर्मा, रमेश बजाज**, आदि, ने अतिथियों का स्वागत–समान किया।

संचालन करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि, इतिहास, गतिविधियों एवं उद्देश्यों के उपाख्यानों से समारोह को ज्ञानप्रद और सरस बनाये रखा। समारोह में सर्वश्री के.के. डोकानिया, अरुण प्रकाश मल्लावत, सुशील चौधरी, सुरेश अग्रवाल, प्रकाश किल्ला, हरि किशन झंवर, पवन अग्रवाल, महेश भुवालका, सर्वश्रीमती रेनु अग्रवाल, रेखा लाखोटिया, सुनीता हरलालका, मंजू अग्रवाल, सहित समाज के गणमान्य पुरुष–महिलायें उपस्थित थी।

औपचारिक समारोह के बाद शगुन इवेंट्स के बैनर तले, **श्री देव गोविन्द बिन्नानी** के निर्देशन में, राजस्थानी लोकसंगीत–नृत्य के कार्यक्रम 'हरियालो मारवाड़' की प्रस्तुति हुई। केसरिया बालम आओ जी पधारो म्हारे देस, पल्लो लटके, जैसे सुरीले गीतों की ससंगीत प्रस्तुति एवं साथ में सनभावन नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध रखा और सभागार लगातार तालियों से गूँजता रहा।

सम्मान समारोह

उपस्थित समाजबंधुओं के हर्षनाद एवं करतल ध्वनि के बीच **राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष एवं भारत के सर्वोच्च न्यायलय के भूतपूर्व न्यायाधीश श्री आदर्श कुमार गोयल को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान – २०२०'** से नवाजने की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। परम्परानुसार, श्री गोयल का संक्षिप्त परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने प्रस्तुत किया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला**, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य **श्री रतनलाल बंका**, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विजय कुमार लोहिया** एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने क्रमशः पुष्पगुच्छ, माला, पगड़ी, शॉल एवं मानपत्र देकर उन्हें सम्मानित किया।

ज्ञातव्य है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था **रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट** के संयुक्त तत्वाधान में २०१४ में स्थापित यह सम्मान सम्मेलन द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्र एवं समाज के सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक, शैक्षणिक एवं चारित्रिक विकास के क्षेत्र में अनूठे एवं महत्वपूर्ण योगदान के लिए राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को दिया जाता है।

स्थापना वर्ष २०१४ में इस सम्मान से **प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय की कुलपति, सुख्यात वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद श्रीमती अनुराधा लोहिया** को, वर्ष २०१५ हेतु **सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री रमेशचन्द्र लाहोटी** को, वर्ष २०१६ हेतु समर्पित समाजसेवी **पद्मविभूषण श्रीमती राजश्री बिड़ला** को, वर्ष २०१७ हेतु **उद्योगपति–समाजसेवी श्री अनिल अग्रवाल** (चेयरमैन, वेदान्ता ग्रुप) को, वर्ष २०१८ हेतु **भारत की लोकसभा के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ राजनेता श्री ओम बिरला** को एवं २०१९ हेतु **दिल्ली के जनप्रिय मुख्यमंत्री श्री अनिल केजरीवाल** को सम्मानित किया गया था।

अतिथियों-वरिष्ठों का स्वागत-सम्मान

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री आदर्श गोयल का राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया द्वारा

सम्मानित अतिथि श्रीमती शारदा लाखोटिया का संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल द्वारा

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया का दिल्ली सम्मेलन के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया द्वारा

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका द्वारा

स्वागताध्यक्ष एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ का श्री पवन जालान द्वारा

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका का संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल द्वारा

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका का श्री रमेश बजाज (अध्यक्ष, उत्तर दिल्ली शाखा) द्वारा

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विजय लोहिया का राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल द्वारा

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका का श्री ओमप्रकाश अग्रवाल द्वारा

वरिष्ठ समाजसेवी श्री द्वारिका प्रसाद गनेरीवाल का संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल द्वारा

रबड़ बोर्ड के चेयरमैन श्री सावर धनानिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया द्वारा

न्यायमूर्ति श्री आदर्श कुमार गोयल : संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री आदर्श कुमार गोयल का जन्म ०७ जुलाई १९५३ को हिसार (हरियाणा) में हुआ। आपने पंजाव विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की शिक्षा ग्रहण की। १६ जुलाई १९७४ को आप बार काउंसिल ऑफ पंजाब एवं हरियाणा के सदस्य बने। आपने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, दिल्ली उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय में लगभग २७ वर्षों तक वकालत की। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ११ फरवरी १९९९ को उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया गया। ०२ जुलाई २००१ को आप पंजाव एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनाये गये। १७ मई २००५ को उन्हें हरियाणा स्टेट लीगल सर्विसेज ऑथिरिटी का एक्जेक्यूटीव चेयरमैन मनोनीत किया गया। ०२ मई २०११ को आप पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (कार्यकारी) बने और १२ सितम्बर २०११ को गौहाटी उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश। २० दिसम्बर २०११ को उन्होंने गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। १२ अक्तूबर २०१३ को आपने ओडिशा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद ग्रहण किया।

०७ जुलाई २०१४ को आपने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण किया। ०६ जुलाई २०१८ को भारत सरकार द्वारा आपको राष्ट्रीय हरित अधिकरण का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

न्यायमूर्ति श्री गोयल की पहचान विधिक प्रक्रिया में तकनीक को बढ़ावा देने वाले न्यायाधीश के रूप में है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के वाद आपने अधिकरण एवं इसकी भोपाल, चेत्रै, कोलकाता एवं पुणे स्थित क्षेत्रीय न्यायालयों के पास बड़ी संख्या में लम्बित पड़े मामलों को निपटाने में वीडिया कांफ्रेंसिंग के प्रयोग की पहल की जिससे सभी क्षेत्रीय न्यायालय बेहतर, तीव्रतर और प्रभावी रूप में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष के रूप में इन्होंने कई महत्वपूर्ण, साहसिक एवं ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा न्यायमूर्ति श्री गोयल का अभिनंदन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थायी समिति की बैठक

सेवा के प्रयासों को जरूर मिलती है सफलता : गोवर्धन गाड़ोदिया

'कोरोना-राहत हेतु अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने पूरे देश में हर स्तर पर कार्य किया है और अगर हमारे प्रयास प्रभावित लोगों के दर्द पर मरहम लगा पाये हैं तो यह हमारे प्रयासों की सफलता है। इस वैश्विक महामारी से प्रभावित लोगों, खासकर संसाधनहीनों की मदद करना आज हमारा परम धर्म है और यही मारवाड़ी समाज की परम्परा भी रही है।' ये विचार सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने गत २३ दिसम्बर २०२१ को शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित केन्द्रीय सम्मेलन सभागार में आयोजित राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में व्यक्त किए। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि **निश्चय से कुछ नहीं, निर्णय से कुछ और करने से सब कुछ होता है।** उन्होंने कहा कि यदि हम समर्पित भाव से समाज सेवा के प्रयास जारी रखें तो हमारे प्रयासों की सफलता अवश्यंभावी है।

बैठक में सर्वप्रथम श्री गाड़ोदिया ने सबका स्वागत किया और २५ दिसम्बर २०२१ को कला मंदिर सभागार, कोलकाता में आयोजित सम्मेलन के स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों के विषय में बताया। उन्होंने सभी उपस्थितों से समारोह में पधारने और अधिकाधिक समाजबंधुओं को समारोह में आने के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने राष्ट्रीय स्थायी समिति की पिछली बैठक (२५ जुलाई २०२१; वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जो सर्वसम्मति से पारित हुआ। सम्मेलन की हालिया गतिविधियों का ब्यौरा देते हुए श्री हरलालका ने बताया कि गत महीनों में सम्मेलन ने कोरोना–राहत सेवाकार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण वर्तमान परिस्थितियों में सेवाकार्यों का महत्व और भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को रोटी और बीमारी की स्थिति में चिकित्सासहायता देना मानवता की महती सेवा है। श्री सराफ ने कहा कि जरूरतमंद समाजबंधुओं की चिकित्सा-सहायता के लिए सम्मेलन द्वारा शीघ्र ही एक प्रकल्प की स्थापना की जाएगी। इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन **श्री दिनेश जैन** ने बताया कि सम्मेलन के रोजगार सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत अब तक १७३ युवक-युवतियों को उपसमिति के माध्यम से संतोषजनक नौकरियों में रखवाया गया है। इसमें सहयोग हेतु उन्होंने समाज के नियोक्ताओं का आभार प्रकट किया।

सूचना तकनीक एवं वेबसाईट उपसमिति के चेयरमैन **श्री कैलाशपति तोदी** ने वेबसाईट अपडेशन की प्रगति के विषय में बताते हुए कहा कि अब तक लगभग सत्रह हजार सदस्यों के विवरण जाँचे जा चुके है और अशुद्धियों का संशोधन तथा कमियों को पूरा किया जा चुका है।

वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोंथलिया** ने समाज विकास प्रकाशन में बिलम्ब पर चिंता व्यक्त की और सभी उपस्थितों से समाज विकास में विज्ञापन-सहयोग का अनुरोध किया।

स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन **श्री पवन कुमार जालान** ने गत ११ दिसम्बर २०२१ को आयोजित उपसमिति की बैठक के विषय में बताया और कहा कि स्वास्थ्य सम्बंधी भावी प्रकल्प प्राथमिकता देकर स्थापित करने के विषय में आवश्यक विचार-विमर्श किया जा रहा है।

निर्देशिका उपसमिति के चेयरमैन **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने बताया कि शीघ्र ही इस सत्र की निर्देशिका के प्रकाशन का कार्य प्रारम्भ किया जाएगा। सूचना तकनीक एवं वेबसाईट उपसमिति के चेयरमैन श्री कैलाशपति तोदी का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वेबसाईट के अपडेट होने से निर्देशिका प्रकाशन में सुविधा होगी।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने बताया कि कोरोना-जनित प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण सम्मेलन के संगठन-विस्तार को अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही है। तथापि, वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में, सदस्यता का विस्तार संतोषजनक है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका**, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल**, **सर्वश्री रतनलाल बंका**, **अरुण प्रकाश मल्लावत** एवं **प्रमोद गोयनका** ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** ने आम जन के कल्याण और समाजहित में सहयोग के सक्रिय प्रयासों हेतु सबका आभार व्यक्त किया। बैठक में संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका, सर्वश्री काशी प्रसाद धेलिया, राधा किशन सफ्फड़, सुरेश अग्रवाल, पवन बंसल, विनय सराफ, रवि लोहिया, संदीप सेक्सरिया, राजेश अग्रवाल, संजय शर्मा, राजेश कुमार पोद्दार आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक

संसाधनहीन लोगों की चिकित्सा में सहायता के लिए कदम उठाना जरूरी : पवन जालान

गत ११ दिसम्बर २०२१ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक उपसमिति के चेयरमैन **श्री पवन कुमार जालान** के सभापतित्व में शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित केन्द्रीय सम्मेलन सभागार में आयोजित की गई। वर्तमान सत्र में यह उपसमिति की पहली बैठक थी।

बैठक में सर्वप्रथम श्री जालान ने सभी उपस्थियों का स्वागत किया और तत्पश्चात् ०९ दिसम्बर २०२१ को हेलिकॉप्टर दुर्घटना में प्राण गँवाने वाले **चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल विपिन रावत**, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधुलिका रावत एवं ११ अन्य को मौन-श्रद्धांजलि दी गई।

श्री जालान ने सभी को स्वास्थ्य उपसमिति की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्यों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि संसाधनहीन समाजबंधुओं की चिकित्सा में सहायता आज एक महत्वपूर्ण जरूरत है और इसमें आगे आकर अपनी भूमिका निभाना हम सभी का कर्त्तव्य है। इसके लिए प्रारम्भिक कदम के रूप में उपसमिति जरूरतमंद समाजबंधुओं को राहत देने एवं उनकी चिकित्सा में सहायता हेतु सभी उपलब्ध विकल्पों और सम्भावनाओं पर विचार करेगी और फिर सर्वसम्मति से इस दिशा में ठोस कदम उठाये जायेंगे। बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के वर्तमान परिदृश्य, विशेषकर कोरोना महामारी एवं इसके विभिन्न वेरियेंट्स से उत्पन्न परिस्थितियों, पर सविस्तार चर्चा हुई।

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष एवं राजस्थानी हेल्थ फाउंडेशन के संस्थापक **श्री जगदीश प्रसाद शर्मा** ने कहा कि मीडिया का एक वर्ग कोरोना के ओमिक्रोन वेरियेंट के विषय में सनसनी फैलाने वाले समाचार प्रसारित कर रहा है। किन्तु इससे अनावश्यक रूप से डरने की कोई जरूरत नहीं है। उपलब्ध जानकारी से यह संकेत मिलता है कि यह वेरियेंट उतना प्रभावी नहीं है। श्री शर्मा ने राजस्थानी हेल्थ फाउंडेशन की कार्यप्रणाली के विषय में भी जानकारी दी।

श्री शर्मा ने कहा कि समाज में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के प्रति जागरूकता आज समय की माँग है। आवश्यकता है कि हम स्वयं को और फिर परिवार, मित्रों–परिचितों, आदि, को इसके प्रति सचेत करें। उन्होंने कहा कि आज लोग चिकित्सकों के पास जाने में यह सोचकर आशंकित हैं कि कोई बीमारी न होने पर भी कोई न कोई समस्या बताकर उन्हें खर्च में डालने की कोशिश होगी। श्री शर्मा ने कहा कि मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा देने के क्षेत्र में भी और प्रयासों की जरूरत है।

सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने राय दी कि शुरूआत में उपसमिति को आर्थिक रूप से कमजोर समाजबंधुओं को गम्भीर बीमारियों यथा हृदय, लिवर, किडनी के रोगों, कैंसर, आदि के ईलाज में सहायता देने की सम्भावनाओं पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को सरकार द्वारा चलायी जा रही आयुष्मान भारत, स्वास्थ्य साथी, जैसी योजनाओं के अन्तर्गत पंजीकृत कराने का भी हर प्रयास करना चाहिए।

नर्सों, कम्पाउंडरों और अन्य पारा-मेडिक्स के प्रशिक्षण के लिए एक संस्थान की स्थापना के विषय में भी उपसमिति ने विचार किया। **श्री प्रवीण खेतावत** ने इसकी प्रक्रिया के सम्बंध में बताया। श्री जगदीश प्रसाद शर्मा एवं **ब्रिगेडियर (डॉ.) रथिन वृजवासी** ने भी इस सम्बंध में अपनी राय दी। **डॉ. सुनील जालान** ने दाँतों की चिकित्सा के विषय में, आवश्यकतानुसार, उपसमिति को हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।

धन्यवाद–ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि यह एक अच्छी शुरूआत है और उन्हें विश्वास है कि जाने वाले दिनों में उपसमिति जरूरतमंद समाजबंधुओ के लिए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक में सर्वश्री प्रह्लाद राय गोयनका, रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला, हनुमान प्रसाद छरिया, श्रीमती सुप्रिया जालान, आदि, उपस्थित थे।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : दिसंबर २०२१ की गतिविधियाँ

शाखा और सदस्यता विस्तार की दृष्टि से दिसंबर का महीना अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा। **प्रदेश की पन्द्रह शाखाओं की संगठन यात्रा की गई।** इसके अतिरिक्त **चार दिनों में चार नई शाखाओं** — बहादुरगंज, बिशनपुर, खरीक और झंडापुर, का गठन किया गया तथा तीन शाखाओं – गुरु बाजार, सोनैली और नारायणपुर, का लगभग पन्द्रह वर्षों के बाद पुनर्गठन किया गया। इस माह लगभग अस्सी आजीवन सदस्य सम्मेलन परिवार से जोड़े गए।

किशनगंज में प्रदेश की १००वीं शाखा की संगठन यात्रा संपन्न हुई, जहाँ केक काटकर इसकी खुशी मनाई गई। **दिसम्बर माह के अंत तक १०५ शाखाओं की संगठन यात्रा सम्पन्न हो चुकी है।** यात्राओं के दौरान समाजबंधुओं में संगठन के प्रति भारी उत्साह देखा गया। लोगों ने सम्मेलन के द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों की मुक्त कंठ से सराहना की। उत्सुकतापूर्वक लोग सम्मेलन से जुड़ने को तत्पर दिखाई दिए। यात्राओं के दौरान जगह-जगह मारवाड़ी समाज के जनप्रतिनिधियों और वयोवृद्ध समाजसेवियों को सम्मानित भी किया गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के **स्थापना दिवस २५ दिसंबर के अवसर पर पूरे प्रान्त की लगभग ७० शाखाओं ने प्रान्तीय कार्यक्रम "अन्नपूर्णा की रसोई" के अंतर्गत चूड़ा-गुड़-तिलकुट, पूड़ी-सब्जी-जलेबी, दही-खिचड़ी आदि का वितरण किया।** अनुमानतः इस दिन लगभग सत्रह-अठारह हजार लोगों ने सम्मेलन की शाखाओं के माध्यम से भोजन प्राप्त किया।

राष्ट्रीय स्थापना दिवस के अवसर पर २५ दिसम्बर को ही केन्द्रीय कार्यक्रम के रूप में सम्मेलन सभाकक्ष पटना में प्रान्तीय कार्यक्रम "**स्वच्छ बेटियाँ : स्वस्थ समाज**" अभियान के अंतर्गत पन्द्रह सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनों का उद्घाटन कर उन्हें संस्थापन के लिए शाखाओं में भेजा गया।

इसी माह बिहार सम्मेलन के **पूर्व अध्यक्ष श्री कैलाश प्रसाद झुनझुनवाला के** ८६वें जन्मदिन के अवसर पर उनके आवास पर जाकर उन्हें प्रेरणा सम्मान प्रदान किया गया और केक काटकर परिजनों के साथ उनका जन्मदिन मनाया गया।

गत १६ दिसम्बर २०२१ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं राँची की स्थानीय सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में श्री प्रकाश हेतमसरिया का भव्य अभिनंदन किया गया। समारोह में श्री हेतमसरिया के अग्रज श्री बसन्त हेतमसरिया, उनकी माताजी श्रीमती गिन्नी देवी, पत्नी श्रीमती भावना एवं परिवार के अन्य लोग भी उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि सिंगापुर सरकार ने इस वर्ष अपने राष्ट्रीय दिवस (०९ अगस्त) पर उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार 'लोकसेवा पदक' से नवाजा है। १९९९ से सिंगापुर के नागरिक श्री हेतमसरिया का पैतृक स्थान मंडावा (राजस्थान) है और वे रामगढ़ (झारखंड) में पले-बढ़े हैं।

गत १७ दिसम्बर २०२१ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं उनके साथ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री रतन लाल बंका, समाजसेवी श्री भगवती प्रसाद भुवालका एवं राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के प्रवक्ता श्री संजय सर्राफ के लोहरदगा आगमन पर लोहरदगा जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री दीपक सर्राफ, पूर्व अध्यक्ष श्री शिवप्रसाद राजगढ़िया, महामंत्री श्री रामप्रकाश मोदी, सर्वश्री किशोर बंका, अवधेश मित्तल, नंदलाल प्रसाद, अतुल सर्राफ, हर्षित सोनी, आदि ने, स्वागत-सम्मान किया।

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
GARODIA
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments
- Radiology

- MRI / CT / Scan	- Digital X-Ray
- Ultrasonography	- Colour Doppler Study

- Cardiology

- ECG	- Echo-Cardiography
- Echo-Colour Doppler	- Holter Monitoring

- Treadmill Test (TMT)
- Wide Range of Pathology
- Pulmonary Function Test
- UGI Endoscopy / Colonoscopy
- Physiotherapy
- EEC / EMG / NCV
- General & Cosmetic Dentistry
- Elder Care Service
- Sleep Study (PSG)
- EYE / ENT Care Clinic
- Gynae and Obstetric Care Clinic
- Haematolgy Clinic
- Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep
- Health Check-up Packages
- Online Reporting
- Report Delivery

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

PHONEX ROADWINGS

STEVEDOR & SHORE HANDLING AGENT

Our Services

- Port Stevedoring & Cargo Handling of Both Bulk Break bulk cargo
- Shipping / Steamer Handling Agent
- Road Transportation
- In bound & Out bound Logistics
- Container Freight Services

A-1/46/1, New Paharpur Road,
Rabindranagar, Kolkata – 700 066
E-mail : phonex.roadwings@gmail.com
roadwingsinternational@gmail.com

PIC - Nikunj Gourisaria , Mob. 9833933729, E-mail : nikunj.gourisaria@gmail.com

गत ११ दिसम्बर २०२१ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सरावगी के भुवनेश्वर (ओडिशा) प्रवास के दौरान उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की भुवनेश्वर शाखा के अध्यक्ष श्री उमेश खंडेलवाल, कटक शाखा के उपाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल तथा इन दोनों शाखाओं के पदाधिकारियों-सदस्यों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। डब्ल्यू.आई.टी.सी. होटल, भुवनेश्वर में एक अनौपचारिक बैठक भी आयोजित हुई। भुवनेश्वर एवं कटक शाखा के पदाधिकारियों ने अपनी-अपनी शाखा की गतिविधियों के विषय में बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्‌बोधन में संगठन के महत्व पर बल दिया और सबसे उसमें सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। इस अवसर पर भुवनेश्वर शाखा के पूर्व अध्यक्ष श्री अशोक जी, उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, सर्वश्री प्रदीप चौधरी, शम्भू अग्रवाल; कटक शाखा के सलाहकार श्री पद्म भावसिंगका, जनसंपर्क अधिकारी श्री निर्मल पुर्वा, आदि, उपस्थित थे।

कविता

मेरा नमन है

(सम्मेलन के स्थापना दिवस पर विशेष)

– **रतन लाल बंका**
राँची, झारखण्ड

सम्मेलन के स्थापक मनिषियों को मेरा नमन है
लक्ष्य का भेदन किया जिन्होंने उन्हें मेरा नमन है

अंग्रेजों से हमें दिलाये थे नागरिक अधिकार
उस भगीरथ प्रयास कर्ताओं को मेरा नमन है

पर्दा प्रथा बालविवाह दहेज आदि कुरीतियां थी
उनसे निदान दिलाया उन्हें भी मेरा नमन है

बालिकाओं में शिक्षा का घोर अभाव था
आज हर क्षेत्र में हैं आगे उनका अभिनन्दन है

स्वाधीनता संग्राम में भी हमारी भागीदारी रही थी
ऐसे बलिदानी भागीदारों को भी मेरा नमन है

दिखावा और पाखंड का भी बहुत बोलबाला है
उसे भी खत्म करने का हमारा प्रयत्न है

और भी बिमारियां यथा प्री–वेडिंग फोटोशूट
समारोह में ड्रेस कोड का आया नया प्रचलन है

सड़कों पर नाचना और गाना भौंडा लगता है
शादियों में भी मद्यपान का बढ रहा चलन है

हमें पार पाना है इन कई कुरीतियों से भी
आज सम्मेलन का हमारा पूरे देश में गठन है

करोना संक्रमण में हमने काफी काम किया है
आज भी सदाव्रत के कई जगह सदन है

उच्च शिक्षा कोष की हमने स्थापना करी है
कोई अशिक्षित रह न आये जिसकी लगन है

बिना इलाज के कोई त्याग न दे तन को
स्वास्थ्य के कोष पर भी हो रहा मनन है

ऐसा नहीं है कि हम आज कुरीतियां शून्य हैं
उनसे भी निजात पाने का हमने बना लिया मन है

निस्वार्थ भाव से जिसने जो किया उसे नमन है
राष्ट्र शिरोधार्य है समाज को भी मेरा नमन है
सम्मेलन के स्थापक मनिषियों को मेरा नमन है

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री संजीब पटवारी
मे. रश्मि मेटालिक्स लि.
प्रेमलता बिल्डिंग,
३९, शेक्सपियर सरणी
कोलकाता - ७०००१७
मो : ९८३००१९४४५

श्री कृष्ण कुमार सिंघानियाँ
मे. सिग्नस ग्रुप ऑफ कम्पनीज
५१, पंचानन रोड, ई.एम. बाईपास,
वी.आई.पी. बाजार,
क्रासिंग के पास, कोलकाता-३९
मो :९८९९१२९१६६/९८३१०२९१६६

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

भूमण्डलं सर्षपायति यस्य मूर्ध्नि।
तस्मै नमो भगवतेऽस्तु सहस्रमूर्ध्ने।।

हे भगवान्! आपकी चेष्टा से ही भगवान् ब्रह्मा, इन्द्र तथा दृश्य जगत के अन्य अधीक्षक अपने-अपने कार्यों में निरत हो जाते हैं। हे ईश्वर! आपके द्वारा भौतिक शक्ति को देखे जाने पर ही समस्त ज्ञानेन्द्रियाँ देख पाती हैं। अनन्त भगवान् समस्त ब्रह्मांडों को अपने शीश पर सरसों के बीजों के सदृश धारण किये रहते हैं। हे सहस्र-फण वाले परम पुरुष! मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

अलं ते निरपेक्षाय पूर्णकाम नमोऽस्तु ते।
महाविभूतिपतये नमः सकलसिद्धये।।

हे भगवान्! आप समस्त ऐश्वर्यों से पूर्ण हैं किन्तु मैं ऐश्वर्य की कामना नहीं करती हूँ। आप उन सम्पत्ति की देवी लक्ष्मी देवी के पति और स्वामी हैं, जो समस्त ऐश्वर्यों से युक्त हैं। आप समस्त योग के स्वामी हैं। मैं आपको केवल नमस्कार करती हूँ।

विष्णुपत्नि महामाये महापुरुषलक्षणे।
प्रीयेथा मे महाभागे लोकमातर्नमोऽस्तु ते।।

(भगवान् विष्णु को नमस्कार करने के बाद भक्तों को चाहिए कि वे धन-धान्य की देवी लक्ष्मी माता को सादर नमस्कार करें) हे विष्णु-पत्नी, हे भगवान् विष्णु की अन्तरगां शक्ति! आप विष्णु के ही समान श्रेष्ठ हैं क्योंकि आपमें भी उनके सारे दिव्य गुण तथा ऐश्वर्य निहित हैं। हे धन-धान्य की देवी! आप मुझ पर कृपालु हों। हे जगन्माता! मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

ॐ नमो भगवते महापुरुषाय महानुभावाय महाविभूतिपतये सह महाविभूतिभिर्बलिमुपहरामीति, अनेनाहरहर्मन्त्रेण विष्णेरावाहनार्घ्यपाद्योपस्पर्शनस्नानवासउपवीतविभूषणगन्ध पुष्पधूप दीपोपहाराद्युपचारान्सुसमाहितोपाहरेत्।।

हे छः ऐश्वर्यों से पूर्ण श्रीभगवान् विष्णु! आप सर्वश्रेष्ठ भोक्ता एवं सर्वशक्तिमान हैं। हे धन-धान्य की देवी लक्ष्मी माता के पति! विश्वक्सेन जैसे पार्षदों की संगति में रहने वाले, मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ। मैं आपको समस्त पूजा-सामग्री अर्पित करता हूँ। मनुष्य को चाहिए कि प्रतिदिन अत्यन्त मनोयोग से भगवान् विष्णु को पूजा-यथा उनके हाथ, पाँव तथा मुख प्रक्षालित करने के लिए और स्नान के लिए जल इत्यादि पूजा-सामग्रियों से पूजा करते हुए इस मन्त्र का उच्चारण करे। उसे चाहिए कि उन्हें वस्त्र, यज्ञोपवीत, आभूषण, सुगन्धित द्रव्य, पुष्प, धूप तथा दीप अर्पित करे।

प्रणमेद्दण्डवद्भूमौ भक्तिप्रह्वेण चेतसा।
दशवारं जपेन्मन्त्रं ततः स्तोत्रमुदीरयेत्।।

भगवान् को भक्ति के साथ विनीत भाव से नमस्कार करना चाहिए। भूमि पर दंडवत करते हुए उपर्युक्त मन्त्र का दस वार उच्चारण करना चाहिए। तब उसे निम्नानुसार प्रार्थना करनी चाहिए।

युवां तु विश्वस्य विभू जगतः कारणं परम्।
हयं हि प्रकृतिः सूक्ष्मा मायाशक्तिर्दुरत्यया।।

हे भगवान् विष्णु तथा धन-धान्य की देवी, माता लक्ष्मी! आप दोनों समस्त सृष्टि के स्वामी हैं। वास्तव में इस सृष्टि के कारण आप ही हैं। माता लक्ष्मी को समझ पाना अत्यन्त ही कठिन है क्योंकि वे इतनी शक्तिशाली हैं कि उनकी शक्ति की सीमा को पार पाना कठिन है। माता लक्ष्मी को भौतिक जगत में बहिरंगा शक्ति के रूप में अंकित किया जाता है, परन्तु वास्तव में वे सर्वदा ईश्वर की अन्तरंगा शक्ति हैं।

नित्यैव सा जगन्माता विष्णोः श्रीरपायिनी।
यथा सर्वगतो विष्णुस्तथैवेयं द्विजोत्तम।।
विष्णो स्युः शक्तयस्तिस्रस्तासु या कीर्तिता परा।
सैव श्रीस्तदाभिन्नेति प्राह शिष्यान् प्रभुर्महान्।।

हे ब्राह्मण श्रेष्ठ। देवी लक्ष्मी जी पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् विष्णु की चिरसंगिनी हैं इसलिए उन्हें अनपायिनी कहा जाता है। वे समस्त सृष्टि की माता हैं। जिस प्रकार भगवान् विष्णु सर्वव्यापी हैं उसी प्रकार उनकी आत्मपराशक्ति माता लक्ष्मी जी सर्वव्यापी हैं। भगवान् विष्णु की तीन प्रमुख शक्तियाँ हैं – अन्तरंगा शक्ति, बहिरंगा शक्ति तथा तटस्था शक्ति। श्री चैतन्य महाप्रभु ने पराशक्ति को भगवान विष्णु से अभिन्न माना है। इस प्रकार माता लक्ष्मी भी स्वतत्र विष्णु तत्त्व में सम्मिलित हैं।

यथा युवां त्रिलोकस्य वरदौ परमेष्ठिनौ।
तथा म उत्तमश्लोक सन्तु सत्या महाशिषः।।

आप दोनों ही तीनों लोकों के परम अधिष्ठाता एवं वरदाता हैं, इसीलिए हे उत्तमश्लोक भगवान्! आपके अनुग्रह से मेरी अभिलाषाएँ पूर्ण हों।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री निकेतन छापड़िया अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री निखिल पोद्दार** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री निरंजन लाल अग्रवाल** माँगो, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री निर्भय शंकर हरित** सुहृजानंद चौक के पास, राँची, झारखण्ड	**श्री निशांत अग्रवाल** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री निशांत पोद्दार कांके रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री नीतेश मोदी** २४८, काँके रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री ओम प्रकाश डोकानिया** टुड्डी रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री पंकज कौनतिया** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री पन्नालाल ओसवाल** बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, झारखण्ड
सी.ए. पवन कुमार अग्रवाल बिस्टूपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री पवन कुमार बगड़िया** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री पवन कुमार भुदोलिया** कुटीया रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री पवन कुमार गोयल** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री पवन कुमार खेमका** साकची बाजार, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री पवन कुमार संघी साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री पीतम्बर लाल खेतान** बरगंडा, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री पितर चन्द अग्रवाल** मुसाबनी, पूर्वी सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री पीयुष मोर** सर्जना चौक, राँची, झारखण्ड	**श्रीमती पूनम मेवारा** काँके रोड, राँची, झारखण्ड
श्री प्रभात कुमार खेतान न्यू बरगंडा, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री प्रवीण कुमार मेहरिया** सराय रोड, दुमका, झारखण्ड	**श्री प्रदीप कुमार डाकमिया** टुडी रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री प्रदीप कुमार जालान** चन्दौरी रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री प्रदीप कुमार खेडीया** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल मकटपुर, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री प्रदीप कुमार ड्रोलिया** मेन रोड, दुमका, झारखण्ड	**श्री प्रदीप कुमार कलबलिया** चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री प्रदीप कुमार नरसरिया** लालजी हिरजी रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री प्रकाश कोठारी** सिटी सेंटर, बोकारो, झारखण्ड
श्री प्रकाश कुमार हेतमसरिया मेन रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री प्रमोद अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** कोडी, बोकारो, झारखण्ड	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** बड़ा लाल स्ट्रीट, राँची, झारखण्ड	**श्री प्रमोद कुमार बजाज** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री प्रतीक मोर मेन रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री प्रवीण कुमार मेवारा** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री प्रवीण कुमार मोदी** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री प्रेम प्रकाश गोयल** बिस्टुपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री पृथ्वी महेश्वरी** अग्रसेन भवन रोड, दुमका, झारखण्ड
श्री पुलकीत अग्रवाल (खेमका) माँगो, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्रीमती पुष्पा भुवालका** बाँके रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री राधे श्याम भालोटिया** कुलदीप सिंह रोड, दुमका, झारखण्ड	**श्री राहुल अग्रवाल** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री राहुल गाड़ोदिया** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री रजत मोर अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री राजीब अग्रवाल** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री राजीव कुमार जालान** बड़ा चौक, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री राजीव शर्मा** स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री राजेन्द्र भरतिया** चास, बोकारो, झारखण्ड
श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल फुसरो, बोकारो, झारखण्ड	**श्री राजेश अग्रवाल** गोलमुड़ी बाजार, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राजेश अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राजेश अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** माँगो, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री राजेश कुमार अग्रवाल जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** कथरा, बोकारो, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** ५, मेन रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार बगड़िया** चास, बोकारो, झारखण्ड
श्री राजेश कुमार डालमिया मधुपुर, देवघर, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार गर्ग** रेडियम रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार कानोड़िया** हरमू रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार मोर** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार राठी** फुसरो, बोकारो, झारखण्ड
श्री राजेश कुमार शर्मा अग्रसेन पथ, राँची, झारखण्ड	**श्री राजेश मोदी** आई.एस.एस. रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री राजीव कुमार हेतमपुरिया** नयापाड़ा, दुमका, झारखण्ड	**श्री राजकुमार बंसल** साकची बाजार, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री राकेश कुमार अग्रवाल** गोलमुड़ी मस्जिद मोड़, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री राम बाबू अग्रवाल घाटसिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री राम अवतार राजधरिया** रातू रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री रामचन्द्र मूनका** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री रमेश अग्रवाल** गोलमुड़ी मार्केट, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री रमेश अग्रवाल** गोलमुड़ी बाजार, जमसेदपुर, झारखण्ड
श्री रमेश अग्रवाल सीतारामडेरा, पूर्वी सिंघभूम, झारखण्ड	**श्री रमेश अग्रवाल** ओल्ड पोलिस क्लब रोड, दुमका, झारखण्ड	**श्री रवि गड़िया** आई.एम.एस. रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री रवि शंकर खण्डेलवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री रितेश लोढ़ा** चास, बोकारो, झारखण्ड
श्री रोहित कुमार जालान तिरंगा चौक, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री रोहित पोद्दार** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री शैलेश अग्रवाल** क्लब रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री शैलेश कावाँतिया** स्टेट माईल रोड, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री सज्जन बगड़िया** पचम्बा, गिरिडीह, झारखण्ड
श्री संदीप कुमार अग्रवाल साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री संदीप कुमार अग्रवाल** गोलमुड़ी बाजार, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री संदीप कुमार विजय** लालजी हिरजी रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री संजय अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री संजय अग्रवाल** घाटसिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखण्ड
श्री संजय कुमार अग्रवाल मील्स एरिया, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री संजय कुमार भुदोलिया** कुटिया रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री संजय कुमार गोयल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री संजय कुमार जैन** गिरिडीह, झारखण्ड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री संजय कुमार जैन कोर्ट रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री संजय कुमार सर्राफ** जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखण्ड	**श्री संजय पोद्दार** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री संजय शर्मा** गांधी चौक, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री संकेत कुमार गाड़ोदिया** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री संतोष अग्रवाल राँची, झारखण्ड	**श्रीमती संतोष जैन** हरमू रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री संतोष खेतान** अदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल** रामगढ़ कैंट, झारखण्ड	**श्रीमती सरिता मेवारा** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री संतोष अग्रवाल (प्रह्लादका) बरगण्डा, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री सतीश चन्द्र जैन** जैना मोड़, बोकारो, झारखण्ड	**श्री सौरभ संघी (सन्नी)** आस्था सिटी सेंटर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री शंकर अग्रवाल** धईया, धनबाद, झारखण्ड	**श्री शंकर लाल अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री शंकर लाल अग्रवाल गोलमुड़ी, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री शंकर लाल असवाल** सीतारामडेरा, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री शिव कुमार लड्ढा** धईया, धनबाद, झारखण्ड	**श्री श्रीराम अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**डॉ. श्रुति भण्डारी नरसरिया** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री श्याम कुमार जालान अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री सिद्धार्थ जालान** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री सिद्धार्थ पारख** चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री सीताराम नरसरिया** बरियातु रोड, राँची, झारखण्ड
श्री सौरभ जालान अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री सौरभ कुमार अग्रवाल** घाटसिला, पूर्वी सिंघभूम, झारखण्ड	**श्री सौरभ नरेडी** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री सुभाष कुमार चौरलिया** चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री सुभाष गोयल** धईया, धनबाद, झारखण्ड
श्री सुभाष सिंघानिया घाटसिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखण्ड	**श्री सुबोध कुमार जैन** छगनमल जैन धर्मशाला के पास, राँची, झारखण्ड	**श्री सुदीप कुमार अग्रवाल** कुलदीप सिंह रोड, दुमको, झारखण्ड	**श्री सुजान चन्द्र अग्रवाल** सीतारामडेरा, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्रीमती सुमन भुवालका** कांके रोड, राँची, झारखण्ड
श्रीमती सुमन गुप्ता साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री सुमित कुमार रिंगसीया** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री सुमित कुमार सारस्वत** श्याम मंदिर के पास, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री सुनील जैन** घाटसिला, पूर्वी सिंघभूम, झारखण्ड	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल (मोदी)** साकची, जमशेदपुर झारखण्ड
श्री सुनील कुमार मोदी गांधी चौक, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री सुनील कुमार सिंघानिया** टुडी रोड, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्रीमती सुनिता लाठ** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्रीमती सुनिता मेवारा** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री सन्नी केडिया** राजगुरु कम्पाउण्ड, राँची, झारखण्ड
श्री सुरेन्द्र कुमार जैन जैना मोड़, बोकारो, झारखण्ड	**श्री सुरेश कुमार चौधरी** साकची बाजार, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री सुशील बंसल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री सुशील कुमार गर्ग** चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री सुशील कुमार गाड़ोदिया अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री सुशील कुमार पेरीवाल** फुसरो बाजार, बोकारो, झारखण्ड	**श्री उज्ज्वल मुरारका** जालान रोड, राँची, झारखण्ड	**श्रीमती उमा देवी नरसरिया** लालजी हिरजी रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री उमाशंकर केजरीवाल** सेवा सदन रोड, राँची, झारखण्ड
श्री विभोर गाड़ोदिया अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	**श्री विजय आनंद भूनका** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री विजय भोजनिया** अशोक नगर, राँची, झारखण्ड	**श्री विजय कुमार बंसल** आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री विजय कुमार धेलिया** अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री विकास अग्रवाल काँटा टोली, राँची, झारखण्ड	**श्री विकास गर्ग** आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री विकास गोयल** धईया, धनबाद, झारखण्ड	**श्री विकास कुमार बसाइवाला** श्यमपथ, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री विकास कुमार राजगढ़िया** मेम्को मोड़, धनबाद, झारखण्ड
श्री विकास कुमनार सिंघानिया साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री विनीत चौधरी** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री विशेष केडिया** लालपुर, राँची, झारखण्ड	**श्री विष्णु बजाज** गांधी चौक, राँची, झारखण्ड	**श्री विष्णु धानुका** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री विष्णु कुमार जोशी अग्रेसन भवन चौक रोड, दुमका, झारखण्ड	**श्री विष्णु कुमार कौनतिया** साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री विष्णु कुमार शर्मा** धर्मशाला रोड, दुमका, झारखण्ड	**श्री विश्वनाथ अग्रवाल** चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री विवेक ढ़ाँढ़नियाँ** लालजी हिरजी रोड, राँची, झारखण्ड
श्री विवेक गर्ग साकची, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री विवेक टिबड़ेवाल** हटिया, राँची, झारखण्ड	**श्री योगेश कुमार असवाल** जादुगोड़ा, जमशेदपुर, झारखण्ड	**श्री अजीत कुमार जोशी** हिन्दमोटर, हुगली, पश्चिम बंग	**श्री अंकित कुमार जोशी** हिन्दमोटर, हुगली, पश्चिम बंग
श्री गोपाल अग्रवाल बांगड़ एवन्यू, कोलकाता	**श्री हनुमान प्रसाद छरिया** इजरा स्ट्रीट, कोलकाता	**श्रीमती मेधा नारसरिया** टालीगंज, कोलकाता	**श्री पीयूष क्याल** क्रिस्टोफर रोड, कोलकाता	**श्री प्रवीण कुमार खेतावत** २८, ब्लैक बर्न लेन, कोलकाता
श्री राजन खण्डेलवाल ७८, एम.जी. रोड, कोलकाता	**श्री सुभाष सेकसरिया** १/४बी, मनोहर पुकुर, कोलकाता	**श्री सुनील कुमार मोदी** १७६बी, हरीश मुखर्जी रोड, कोलकाता	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** राधा राम मोहन रॉय रोड, विशाखापट्टनम	**श्री अशोक मानधनी** दासपल्ला किरन, विशाखापट्टनम
श्री डी. आशुतोष शर्मा डबल रोड, विशाखापट्टनम	**श्री देवकीनंदन खेमका** शंकर मयन रोड, विशाखापट्टनम	**श्री धनेश कुमार शर्मा** ज्योति थियेटर रोड, विशाखापट्टनम	**श्री जयदीप मिन्नी** दावा गार्डेन्स, विशाखापट्टनम	**श्री खेत सिंह राजपुरोहित** पूर्णा मार्केट, विशाखापट्टनम

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 31st December 2021
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com